BED IV- CPS 21

शान्ति शिक्षा

Peace Education

।। शान्ति पाठ ।।

ॐ द्यौ शान्तिरन्तरिक्ष: शान्ति: पृथ्वी
शान्तिराप: शान्ति: रोषधय: शान्ति: ।
वनस्पतय: शान्तिर्विश्वे देवा:
शान्तिब्रह्मा शान्ति: सर्व: शान्ति:
शान्तिरेव शान्ति: सा मा शान्तिरेधि ।।
ॐ शान्ति: शान्ति: शान्ति: ॐ

शिक्षक शिक्षा विभाग, शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी

शिक्षक शिक्षा विभाग, शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी

अध्ययन बोर्ड	विशेषज्ञ समिति
☐ **प्रोफेसर एच० पी० शुक्ल** (अध्यक्ष- पदेन), निदेशक, शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ☐ **प्रोफेसर मुहम्मद मियाँ** (बाह्य विशेषज्ञ- सदस्य), पूर्व अधिष्ठाता, शिक्षा संकाय, जामिया मिल्लिया इस्लामिया व पूर्व कुलपति, मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय, हैदराबाद ☐ **प्रोफेसर एन० एन० पाण्डेय** (बाह्य विशेषज्ञ- सदस्य), विभागाध्यक्ष, शिक्षा विभाग, एम० जे० पी० रुहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली ☐ **प्रोफेसर के० बी० बुधोरी** (बाह्य विशेषज्ञ- सदस्य), पूर्व अधिष्ठाता, शिक्षा संकाय, एच० एन० बी० गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर, उत्तराखण्ड ☐ **प्रोफेसर जे० के० जोशी** (विशेष आमंत्री- सदस्य), शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ☐ **प्रोफेसर रम्भा जोशी** (विशेष आमंत्री- सदस्य), शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ☐ **डॉ० दिनेश कुमार** (सदस्य), सहायक प्रोफेसर, शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ☐ **डॉ० भावना पलड़िया** (सदस्य), सहायक प्रोफेसर, शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ☐ **सुश्री ममता कुमारी** (सदस्य), सहायक प्रोफेसर, शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा एवं सह-समन्वयक बी० एड० कार्यक्रम, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ☐ **डॉ० प्रवीण कुमार तिवारी** (सदस्य एवं संयोजक), सहायक प्रोफेसर, शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा एवं समन्वयक बी० एड० कार्यक्रम, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय	☐ **प्रोफेसर एच० पी० शुक्ल** (अध्यक्ष- पदेन), निदेशक, शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ☐ **प्रोफेसर सी० बी० शर्मा** (बाह्य विशेषज्ञ- सदस्य), अध्यक्ष, राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान, नौएडा ☐ **प्रोफेसर पवन कुमार शर्मा** (बाह्य विशेषज्ञ- सदस्य), अधिष्ठाता, शिक्षा संकाय व सामाजिक विज्ञान संकाय, अटल बिहारी बाजपेयी हिन्दी विश्वविद्यालय, भोपाल ☐ **प्रोफेसर जे० के० जोशी** (विशेष आमंत्री- सदस्य), शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ☐ **प्रोफेसर रम्भा जोशी** (विशेष आमंत्री- सदस्य), शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ☐ **डॉ० दिनेश कुमार** (सदस्य), सहायक प्रोफेसर, शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ☐ **डॉ० भावना पलड़िया** (सदस्य), सहायक प्रोफेसर, शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ☐ **सुश्री ममता कुमारी** (सदस्य), सहायक प्रोफेसर, शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा एवं सह-समन्वयक बी० एड० कार्यक्रम, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ☐ **डॉ० प्रवीण कुमार तिवारी** (सदस्य एवं संयोजक), सहायक प्रोफेसर, शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा एवं समन्वयक बी० एड० कार्यक्रम, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय

दिशाबोध: प्रोफेसर जे० के० जोशी, पूर्व निदेशक, शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी

कार्यक्रम समन्वयक:	कार्यक्रम सह-समन्वयक:	पाठ्यक्रम समन्वयक:	पाठ्यक्रम सह समन्वयक:
डॉ० प्रवीण कुमार तिवारी समन्वयक, शिक्षक शिक्षा विभाग, शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी, नैनीताल, उत्तराखण्ड	**सुश्री ममता कुमारी** सह-समन्वयक, शिक्षक शिक्षा विभाग, शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी, नैनीताल, उत्तराखण्ड	**डॉ० आध्यात्मिक राय** सह प्रोफेसर, विशिष्ट शिक्षा संकाय, शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ	**डॉ० प्रवीण कुमार तिवारी** समन्वयक, शिक्षक शिक्षा विभाग, शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी, नैनीताल, उत्तराखण्ड

प्रधान सम्पादक	उप सम्पादक
डॉ० प्रवीण कुमार तिवारी समन्वयक, शिक्षक शिक्षा विभाग, शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी, नैनीताल, उत्तराखण्ड	**डॉ० आध्यात्मिक राय** सह प्रोफेसर, विशिष्ट शिक्षा संकाय, शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ

विषयवस्तु सम्पादक	भाषा सम्पादक	प्रारूप सम्पादक	प्रूफ संशोधक
डॉ० आध्यात्मिक राय सह प्रोफेसर, विशिष्ट शिक्षा संकाय, शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ	**डॉ० आध्यात्मिक राय** सह प्रोफेसर, विशिष्ट शिक्षा संकाय, शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ	**सुश्री ममता कुमारी** सहायक प्रोफेसर, शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी	**श्रीमती मनीषा पन्त** अकादमिक परामर्शदाता, शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी, उत्तराखण्ड

सामग्री निर्माण

प्रोफेसर एच० पी० शुक्ल	प्रोफेसर आर० सी० मिश्र
निदेशक, शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय	निदेशक, एम० पी० डी० डी०, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय

© उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, 2017

ISBN-13-978-93-85740-92-3

प्रथम संस्करण: 2017 (पाठ्यक्रम का नाम: शान्ति शिक्षा, पाठ्यक्रम कोड- BED IV- CPS 21)

सर्वाधिकार सुरक्षित। इस पुस्तक के किसी भी अंश को ज्ञान के किसी भी माध्यम में प्रयोग करने से पूर्व उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय से लिखित अनुमति लेना आवश्यक है। इकाई लेखन से संबंधित किसी भी विवाद के लिए पूर्णरूपेण लेखक जिम्मेदार होगा। किसी भी विवाद का निस्तारण उत्तराखण्ड उच्च न्यायालय, नैनीताल में होगा।

निदेशक, शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा निदेशक, एम० पी० डी० डी० के माध्यम से उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के लिए मुद्रित व प्रकाशित।
प्रकाशक: उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय; मुद्रक: उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय

कार्यक्रम का नाम: बी० एड०, कार्यक्रम कोड: BED- 17 पाठ्यक्रम का नाम: शान्ति शिक्षा, पाठ्यक्रम कोड- BED IV- CPS 21		
इकाई लेखक	खण्ड संख्या	इकाई संख्या
डॉ० आद्याशक्ति राय सह प्रोफेसर, विशिष्ट शिक्षा संकाय, शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ	1	1
डॉ० सोमू सिंह सहायक प्रोफेसर, शिक्षा संकाय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, उत्तरप्रदेश	1	3 व 4
डॉ० बृजेश कुमार राय सहायक प्रोफेसर, विशिष्ट शिक्षा संकाय, शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ	1	5
डॉ० पीयूष कमल पोस्ट डॉक्टोरल फेलो, आई० ए० एस० ई०, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली	2 3	3 2
डॉ० नीलम दलाल सहायक प्रोफेसर, प्रारम्भिक शिक्षा विभाग, माता सुंदरी कॉलेज फॉर विमेन, नई दिल्ली	3	3 व 5
डॉ० स्वेता द्विवेदी सहायक प्रोफेसर, शिक्षा संकाय, मिजोरम केन्द्रीय विश्वविद्यालय, आइजोल, मिजोरम	4	1 व 3
डॉ० चंचिता सिंह अध्यक्ष, शिक्षा विभाग, मेवाड़ इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश	4	2
डॉ० प्रेरणा मन्ध्यान सहायक प्रोफेसर, सीमांचल मानोरिटी बी० एड० कॉलेज, कटिहार, बिहार	4	4

BED IV- CPS 21
शान्ति शिक्षा
Peace Education

खण्ड 1		
इकाई सं०	इकाई का नाम	पृष्ठ सं०
1	व्यक्तिगत जीवन, सामाजिक जीवन, राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा के कार्य, शिक्षा के वैयक्तिक, सामाजिक, राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय उद्देश्य में समानता तथा अन्तर; द्वन्द्व, पूर्वाग्रह, आक्रामकता एवं हिंसा के स्रोत एवं कारण, पर्यावरणीय सरोकार, मानव एवं प्रकृति के मध्य अन्योन्याश्रित संबंध	2-23
2	इकाई: दो	-
3	व्यक्तिगत एवं सामूहिक स्व; अंतरवैयक्तिक, सांप्रदायिक तथा राष्ट्रीय संदर्भ में द्वैत तथा द्वंद की अवधारणा	24-38
4	द्वंद की समझ	39-53
5	विद्यालय में जीवन का विश्लेषण: प्रतिस्पर्धा का वातावरण; शारीरिक दण्ड एवं उसके परिणाम; परिवार की भूमिका; लैंगिक भूमिका एवं रूढ़िवाद	54-66

इकाई 5- जिददु कृष्णमूर्ति और शांति शिक्षा

5.1 प्रस्तावना
5.2 उद्देश्य
5.3 विश्व में अशांति का कारण
 5.3.1 डर और सुरक्षा की चाह
 5.3.2 धर्म पर निर्भरता
 5.3.3 विचारधारा और बाह्य संस्थाओं पर निर्भरता
5.4 विश्व-शांति 'व्यक्तिगत जिम्मेदारी' है
5.5 शांति स्थापना में शिक्षा की भूमिका
5.6 सारांश
5.7 शब्दावली
5.8 संदर्भ ग्रंथ सूची तथा सहायक /उपयोगी पाठ्य सामग्री
5.9 निबंधात्मक प्रश्न

5.1 प्रस्तावना

जिद्दू कृष्णमूर्ति का जन्म 11 मई 1985 में दक्षिण भारत के एक छोटे से कस्बे मदनपल्ली में हुआ। डॉक्टर एनी बेसेंट, अध्यक्ष थियोसोफिकल सोसायटी, ने कृष्णमूर्ति को बचपन में ही गोद ले लिया था। डॉक्टर एनी बेसेंट व अन्य व्यक्तियो ने घोषणा की, कि कृष्णमूर्ति भविष्य में विश्वगुरु बनेंगे तथा विश्व को एक नई राह दिखाएंगे। इसके साथ ही विश्व को इस शिक्षक हेतु तैयार करने के लिए पूर्व में 'आर्डर ऑफ द स्टार' नाम का संगठन बनाया गया तथा कृष्णमूर्ति को इसका अध्यक्ष बनाया गया।

हालांकि 1929 में कृष्णमूर्ति ने स्वयं इस संगठन को भंग कर दिया तथा इस संगठन के लिए दी गई अनुदान राशि व संपत्ति को वापस कर दिया। इसके पश्चात वे लगभग अगले 60 वर्षों तक दुनिया की यात्रा करते रहे और बड़ी सभाओ में तथा व्यक्तिगत रूप से लोगों से मानव जाति में एक क्रांतिकारी परिवर्तन की आवश्यकता के बारे में बातचीत करते रहे।

कृष्णमूर्ति वैश्विक स्तर पर एक महान शिक्षक व विचारक माने जाते है। हालांकि उन्होंने किसी धर्म के दर्शन का विस्तार नहीं किया फिर भी दैनिक जीवन संबंधित विषयों पर दार्शनिक दृष्टिकोण से विवेचन किया है। जिसमें उन्होंने दैनिक जीवन की समस्याएं, आधुनिक समाज में हिंसा व भ्रष्टाचार के साथ रहने की समस्याएं, व्यक्तियों की 'सुरक्षा' व 'चाह' संबंधित मुद्दे तथा मनुष्य द्वारा अपने आंतरिक बोझ (भय,

Self attested
Neelam Walia